THE PIONEER

कोरोना रोकथाम में कारगर होगा जेसी बोस का 'कवच'

विश्वविद्यालय की स्टार्ट-अप टीम ने बनाई ऐप

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

दुनियाभर में मानव जाति के लिए गंभीर संकट बन चुकी कोरोना महामारी की रोकथाम के उपायों में हर स्तर पर प्रयास किये जा रहे है। इसी कड़ी में जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, के विद्यार्थियों ने कोरोना से बचाव का एक इनोवेटिव समाधान खोज निकाला है। विश्वविद्यालय की स्टार्ट-अप टीम में एमबीए के दो विद्यार्थियों ललित फौजदार तथा नितिन शर्मा ने जियो-फेंसिंग तकनीक का उपयोग करते हुए ऐसी मोबाइल ऐप तैयार की है जो लोगों को वास्तविक समय अलर्ट देने में सक्षम होगी। यदि कोई संक्रमित व्यक्ति 5 से 100 मीटर की सीमा के भीतर दाखिल होता हैं। इसके साथ ही यह चेतावनी देगी कि आप उन स्थानों पर न जाएं। जहां संभावित संक्रमित व्यक्ति पिछले 24 घंटे में आया हो। ऐप को विश्वविद्यालय के एडजेंक्ट फैकल्टी

ललित फौजदार

नितिन शर्मा

अजय शर्मा की देखरेख में तैयार किया गया है और इस ऐप को कवच नाम दिया गया है।

उल्लेखनीय है कि भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा 16 मार्च को कोविड-19 सलूशन चैलेंज लॉच किया था और इस चैलेंज के जरिए 31 मार्च तक कोरोना वायरस से रोकथाम के लिए इनोवेटिव समाधान आमंत्रित किये थे। विश्वविद्यालय की टीम ने चैलेंज को स्वीकार करते हुए 10 दिन की कड़ी मेहनत के बाद यह ऐप तैयार की है।

अजय शर्मा ने बताया कि फिलहाल ऐप को तैयार कर इसका प्रोटोटाइप भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय को भेज दिया गया। ऐप को प्ले स्टोर पर उपलब्ध करवाने के लिए गूगल इंडिया को भी भेजा गया है। केन्द्र सरकार ऐप से स्वीकृति मिलने के बाद यदि ऐप व्यवहार में आ जाती है तो यह देश के साथ-साथ दुनियाभर में कोरोना संक्रमण को रोकने में एक कारगर उपाय साबित हो सकती है। इस मोबाइल ऐप का समसे बड़ा लाभ यह है कि यह कोरोना जैसी महामारियों के दौरान सभी नागरिकों को प्रामाणिक और सत्यापन योग्य जानकारी एकत्र करने और प्रदान करने के लिए सिंगल यूनिवर्सल प्लेटफार्म प्रदान करती है। किसी भी आपात स्थिति में सरकारी अधिकारियों से तुरंत मदद पाने के लिए नागरिक समय-समय पर महत्वपूर्ण सरकारी परामर्श प्राप्त कर सकते हैं और संक्रमण का शक होने पर खुद के परीक्षण के लिए आस-पास के अस्पतालों और मेडिकोज का संपर्क विवरण भी प्राप्त कर सकते हैं। इसके अलावा, यह ऐप बहु-उपयोगी है और इस तरह की महामारियों और आपदाओं के दौरान सरकार और नागरिकों की सहायता के लिए कई तरह से इस्तेमाल किया जा सकता है। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने स्टार्ट-अप टीम के प्रयासों की सराहना की है। कुलपति ने कहा कि कोरोना महामारी दुनियाभर में मानव जाति के लिए संकट बनती जा रही है, जिसे

NEWS CLIPPING: 27.03.2020

HINDUSTAN

वाईएमसीए ने कोरोना को लेकर एप तैयार किया, कोरोना के संकेत, नजदीक से गुजरते मरीजों के बारे में देगा संकेत

मोबाइल एप बनेगा कोरोना से बचाव का कवच

पहल

फरीदाबाद | शालिनी देवरानी

कोरोना से बचाव के लिए आपके स्मार्टफोन पर मौजूद मोबाइल एप आपका सुरक्षा कवच बनेगी। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय वाईएमसीए की ओर से कोरोना (कोविड 19) को लेकर मोबाइल एप कवच तैयार की गई है। इसके लिए फिलहाल सरकार की स्वीकृति का इंतजार है। सब सही रहा तो जल्द ही ये मोबाइल एप आम लोगों को कोरोना के खतरे से सुरक्षा प्रदान करेगी।

आसपास से गुजर रहे कोरोन संदिग्ध पर करेगा सचेत : कवच एप अगर आपके 50 मीटर दायरे में कोई भी कोरोना संदिग्ध व्यक्ति मौजूद है इसकी सूचना तुरंत आपको देगी। ऐसे में आप उस जगह से तत्काल दूरी बना सकते हैं। वहीं एप पर मौजूद किसी भी व्यक्ति की रिपोर्ट पॉजिटिव आने पर जीपीएस की मदद से जाने अनजाने उसके संपर्क में आए हर व्यक्ति के पास सूचना पंहुचा जाएगी। जीपी एस ट्रेकिंग सिस्टम पर बनाई गई ये एप ट्रेकिंग की मदद से आपको सुरक्षित रखेगी।

सेल्फ कवारंटाइन लोगों को दूसरों से बचाएगा : एप पर सेल्फ कवारंटाइन का विकल्प भी मौजूद है। इसे एक्टिवेट करते ही एप पर आप सेल्फ कवारंटाइन मार्क हो जाएंगे। ऐसे में जिसके पास भी ये मोबाइल एप होगी उसे व्यक्ति के 50 मीटर दायरे में आते ही इस बात की सूचना पहुंच जाएगी कि यहां कोई कवारंटाइन मोड में है। इसके अलावा आपको सरकार की ओर से बनाए गए टेस्टिंग सेंटर, एंबुलेंस सेवा के नंबर, अस्पतालों की सूचना आइसोलेशन वार्ड जैसी जानकारी भी यूजर्स पा सकेंगे।

लोगों को मिलेगी सटीक जानकारी : विश्वविद्यालय में स्टार्टअप एंड बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर के इंचार्ज अजय शर्मा की देखरेख में यह मोबाइल एप डिजाइन किया गया है। उन्होंने बताया कि ऐसे कठिन समय में लोगों की जिंदगी आसान बना ना ही एप डिजाइन का मकसद है।आने वाले समय में अन्य कार्व में भी उपयोग हो सकेगा।

घर बैठे कर सकेंगे घरवालों को सुरक्षित

एप पर मौजूद जीपीएस मदद से अपने कवच के दायरे में ला सकेंगे। इसके बाद आप घर, दफ्तर या बाहर कहीं भी मौजूद हों आपके परिवार के 50 मीटर के दायरे में भी कोरोना संदिग्ध या पॉजिटिव आता है तो इसकी सूचना आप तक पहुंच जाएगी। ऐसे में आप घर से दूर रहकर भी परिवार के सदस्यों की सेहत पर नजर रख सकतेहैं। दूसरे शहरों में रहने वाले परिवार को भी आप सुरक्षित रख सकते हैं।

एमबीए छात्रों ने तैयार किया है बचाव के लिए एप

एप को डेवलप करने वाले एमबीए स्टूडेंट ललित फौजदार और नितिन शर्मा ने बताया कि भारत सरकार की ओर से माईजीओवी एप पर फाइट अगेंस्ट कोराना प्रतियोगिता शुरू की गई है । इसके तहत 31 मार्च तक लोगों से सुझाव मांगे गए हैं। एप तैयार कर एंट्री भेज दी गई है ।

NEWS CLIPPING: 27.03.2020

AMAR UJALA

100 मीटर के दायरे में आया कोरोना संक्रमित तो 'कवच' एप देगा अलर्ट

फरीदाबाद। कोरोना महामारी से बचाव के लिए जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए के विद्यार्थियों ने इनोवेटिव समाधान खोज निकाला है। विश्वविद्यालय की स्टार्ट-अप टीम में एमबीए के दो विद्यार्थियों ललित फौजदार और नितिन शर्मा ने जियो-फेंसिंग तकनीक का उपयोग करते एक मोबाइल एप तैयार किया है। कोई संक्रमित व्यक्ति 5 से 100 मीटर के दायरे में आता हैं तो एप के माध्यम से उसका अलर्ट मिल जाएगा। इसके साथ ही यह चेतावनी देगी कि आप उन स्थानों पर न जाएं, जहां संभावित संक्रमित व्यक्ति पिछले 24 घंटे में आया हो। विश्वविद्यालय के फैकल्टी अजय शर्मा ने बताया कि इस एप को कवच का नाम दिया गया है। उन्होंने बताया कि भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा 16 मार्च को कोविड-19 समाधान चुनौती लांच किया था। इस चुनौती के जरिए 31 मार्च तक कोरोना वायरस से रोकथाम के लिए इनोवेटिव समाधान आमंत्रित किए थे।

NEWS CLIPPING: 27.03.2020

PUNJAB KESARI

विश्वविद्यालय की स्टार्ट-अप टीम ने बनाई ऐप

संक्रमित व्यक्ति होगा पास तो देगी अलर्ट

फरीदाबाद, 26 मार्च (ब्यूरो): दुनियाभर में मानव जाति के लिए गंभीर संकट बन चुकी कोरोना महामारी की रोकथाम के उपायों में हर स्तर पर प्रयास किए जा रहे है। इसी कड़ी में जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद के विद्यार्थियों ने कोरोना से बचाव का एक इनोवेटिव समाधान खोज निकाला है। विश्वविद्यालय की स्टार्ट-अप टीम में एमबीए के दो विद्यार्थियों ललित फौजदार तथा नितिन शर्मा ने जियो-फेंसिंग तकनीक का उपयोग करते हुए ऐसी मोबाइल ऐप तैयार की है जो लोगों को वास्तविक समय अलर्ट देने में सक्षम होगी यदि कोई संक्रमित व्यक्ति 5 से 100 मीटर की सीमा के भीतर दाखिल होता हैं। इसके साथ ही यह चेतावनी देगी कि आप उन स्थानों पर न जाएं जहां संभावित संक्रमित व्यक्ति पिछले 24 घंटे में आया हो। ऐप को विश्वविद्यालय के एडजेंक्ट फैकल्टी अजय शर्मा की देखरेख में तैयार किया गया है और इस ऐप को कवच नाम दिया गया है। उल्लेखनीय है कि भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा 16 मार्च को कोविड-19 सलूशन चैलेंज लॉच किया था और इस चैलेंज के जरिए 31 मार्च तक कोरोना वायरस से रोकथाम के लिए इनोवेटिव समाधान आमंत्रित किये थे। विश्वविद्यालय की टीम ने चैलेंज को स्वीकार करते हुए 10 दिन की कडी मेहनत के बाद यह ऐप तैयार की है। अजय शर्मा ने बताया कि फिलहाल ऐप को तैयार कर इसका प्रोटोटाइप भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय को भेज दिया गया। ऐप को प्ले स्टोर पर उपलब्ध करवाने के लिए गूगल इंडिया को भी भेजा गया है। केन्द्र सरकार ऐप से स्वीकृति मिलने के बाद यदि ऐप व्यवहार में आ जाती है तो यह देश के साथ-साथ दुनियाभर में कोरोना संक्रमण को रोकने में एक कारगर उपाय साबित हो सकती है। इस मोबाइल ऐप का सबसे बड़ा लाभ यह है कि यह कोरोना जैसी महामारियों के दौरान सभी नागरिकों को प्रामाणिक और सत्यापन योग्य जानकारी एकत्र करने और प्रदान करने के लिए सिंगल यूनिवर्सल प्लेटफार्म प्रदान करती है।

पंजाब केसरी ई-पेपर Fri, 27 March 2020
https://epaper.punjabkesari.in/c/5

NEWS CLIPPING: 27.03.2020

THE PIONEER

एमबीए की प्रवेश परीक्षा स्थगित

फरीदाबाद। वाईएमसीए स्थित जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय ने कोविड-19 महामारी के दृष्टिगत अपने मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एमबीए) प्रोग्राम में दाखिले के लिए ऑनलाइन आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 30 अप्रैल, 2020 तक बढ़ा दी है और अगले आदेश तक प्रवेश परीक्षा स्थगित कर दी है। उल्लेखनीय है कि विश्वविद्यालय ने अपने शैक्षिक सत्र 2020-21 के लिए एमबीए में दाखिले के लिए राज्य स्तरीय प्रवेश परीक्षा आयोजित करने का निर्णय लिया है। अब यह परीक्षा कोविड-19 महामारी के कारण उत्पन्न मौजूदा स्थिति के सामान्य होने के बाद ही आयोजित की जाएगी।